6. यदि चूजा प्रथम सप्ताह में खुले बुरादे में चलता है तो यह आवश्यक है कि आने वाले दिनों में ई. कोलाई या साँस संबधी समस्या बनेगी।

दूसरे दिन :- चिक फीड़ (स्टार्टस मैस) चालू कर देना चाहिए एवं चूजों को देखे कि वे दाना व पानी सही मात्रा में ग्रहण करते है या नहीं। पानी में इलेक्ट्राल, विटामिन बी काम्प्लेक्स, एडी 3 ई.सी. एवं ई. केयर सी देना चाहिए।

तीसरे दिन :-

1. विटामिन, प्रोबायोटिक्स, ई. केयर सी. दिन में एक बार पानी में देना चाहिए एवं एन्टीबायोटीक दवा हर पानी में देना चाहिए।
2. पानी के बर्तन उपयुक्त मात्रा में होने चाहिए तथा बर्तन को उल्टे स्टेण्ड में लगाना चाहिए ताकि छोटे बड़े सभी चूजें भली भांति पानी पी सकें।

चौथे दिन :-

1. विटामिन, प्रोबायोटिक्स, ई. केयर सी. दिन में एक बार पानी में देना चाहिए एवं एन्टीबायोटीक दवा हर पानी में देना चाहिए।
2. ब्रुडर की थोड़ी सी उचाई बढा देनी चाहिए। चिक गार्ड की चौड़ाई भी बढा देनी चाहिए देखना चाहिए चूजे आराम से है या नहीं।

पांचवे दिन :-

1. विटामिन, प्रोबायोटिक्स का पानीदिन में एक बार पानी में देना चाहिए एवं एन्टीबायोटीक दवा हर पानी में देना चाहिए।
2. पांचवे दिन यदि देखने में महसुस हो कि जगह की कमी हो रही तो चिक गार्ड मिलाकर एक कर देना चाहिए ताकि जगह की वृद्धि हो सके और चूजों को भी आराम मिल सके।

छटवे दिन:-

1. केवल विटामिन एवं प्रोबायोटिक्स का पानी देना चाहिए।
2. पेपर हटा देना चाहिए, पानी एवं दाने के बर्तन प्रति हजार चूजों पर 3.3 की मात्रा में लगाना चाहिए।
3. ब्रुडर की उंचाई लगभग 1 फुट कर देनी चाहिए गर्मी के दिनों में चूजे बिना ब्रुडर के पाले जा सकते है। प्रकाश के लिए मात्र बल्ब लटका देना चाहिए।

सातवें दिन :-

1. इलेक्ट्राल प्रत्येक बार पानी में देना चाहिए एवं ई. केयर सी दिन में एक बार देना चाहिए।
2. लसोटा एफ-1 आँख या नाक में ड्रापर की सहायता से एक-एक बुंद देना चाहिए, टीकाकरण हमेशा ठण्डे मौसम में या रात के समय करना चाहिए ताकि चूजे तनाव मुक्त रह सकें।

कड़कनाथ चूजों में ब्रुडिंग प्रबंधन

ब्रुडिंग व्यवस्था चूजों के जीवन की सबसे महत्वपूर्ण इकाई है। क्योंकि ब्रुडिंग में ही पक्षी का भविष्य, उत्पादन एवं लाभ व हानि निर्धारित होती है। इसलिए ब्रुडिंग का सही प्रबंधन पहले दिन से लेकर 4-6 सप्ताह तक की आयु तक में करना चाहिए। जब तक की चूजा अपने आप में सक्षम नही हो जाता है तब तक उन्हें सेकना (ब्रुडिंग करना) पड़ता है। ब्रुडिंग का समय कड़कनाथ पालन के लिए बहुत दुखद (कठिन) होता है। यदि कुक्कुट पालक ब्रुडिंग के समय सही व्यवस्था नही कर पाता तो चूजों के मरने की संख्या प्रथम सप्ताह में ही 7 से 10 प्रतिशत हो जाती है।

ब्रुडर क्या है :- यह अधिकतर बाँस की टोकनी या चद्दर का बना होता है। जो चूजों को गर्मी प्रदान करता है, इन ब्रुडरों में 100 से 200 वाट के बल्ब लगे रहते हैं जिनके जलने से गर्मी पैदा होती है जो चूजों के लिय ठण्ड के दिनों में आवश्यक है। ब्रुडरों की उचाई प्रथम सप्ताह में 6 से 10 इंच तक होनी चाहिए। स्थिति अनुसार उंचाई घटाई एवं बढ़ाई जा सकती है।

चिक गार्ड :- यह चद्दर य कार्ड बोर्ड का बना होता है। इसकी उंचाई लगभग 1 फिट से 1.5 फिट तक होती है तथा पट्टी की लंबाई 8 फिट से 10 फिट तक होती है। चिक गार्ड को ब्रुडर से 25-30 इंच की दूरी से घेर देना चाहिए। वातावरण के मुताबिक इसकी उंचाई घटाई एवं बढ़ाई जा सकती है। ब्रुडर के बाहर चिक गार्ड के अंदर दाने एवं पानी के बर्तन लगा देना चाहिए। 6 से 10 दिन के अंदर ब्रूडर की उंचाई बढा देना चाहिए एवं चिक गार्ड की आवश्कता न हो तो निकालकर अलग कर देना चाहिए। गर्मी के दिनों में 1-2 वाट विद्युत प्रति चूजे के लिये पर्याप्त होती है लेकिन ठंडी के दिनों में 4-5 वाट विद्युत की खपत प्रति चूजों पर होती है एक चिक गार्ड में ज्यादा 250 से 300 चूजों की ब्रुडिंग की जा सकती है।

ब्रुडिंग तापमान :- सही तापमान बनाये रखने को ही ब्रुडिंग कहते है। अच्छे परिणाम प्राप्त करने के लिए प्रथम सप्ताह में 35'C से 37'C या 90'F से 95'F होना अति आवश्यक है। प्रथम सप्ताह के बाद प्रति सप्ताह 2.5'C या 5'C तापमान कम करते जाना चाहिए। अंतिम तापमान से 21' उ से 23' या उ 65'F से 70'F तक होना चाहिए। सबसे अच्छा तरीका यह है कि चूजों की स्थिति (रहन-सहन) से तापमान का अदांज लगाना चाहिए यदि चिकगार्ड के अंदर स्वतंत्र रुप से विचरण कर रहें हो तो ऐसी स्थिति में यह समझना चाहिए कि तापमान चूजों के अनुकूल हैं।

कड़कनाथ चूजों के अनुकूल वातावरण कैसे ज्ञात करें

कुक्कुट पालकों को मौसम के मुताबिक पूर्ण तैयारी कर लेनी चाहिए।

गर्मी के मौसम की तैयारी :- गर्मी के दिनों में चूजों को गर्मी से बचाने के लिए कड़कनाथ पालक को पंखे लगाना चाहिए खिड़कीयों में बोरे के पद एवं छत के उपर धान का पैरा बिछाना चाहिए।

शीतकालीन मौसम की तैयारी :- चूजों को ठण्ड से बचाने के लिए गैस ब्रुडर, बास के टोकने के ब्रुडर, चद्दर के ब्रुडर, पेट्रोलियम गैस, सिगड़ी, कोयला, लकड़ी के गट्ठे, हीटर इत्यादी तैयारी चूजे आने के पूर्व करके रखना चाहिए।

तापमान ज्ञात करने के तियम

1. यदि चिक गार्ड के सारे चूजे ब्रूडर के अंदर घुसकर बैठे हो तो इसका मतलब है कि चिकगार्ड एवं ब्रुडर का तापमान चूजों के अनुकूल नही है। ऐसी स्थिति में ब्रुडर के अन्दर का तापमान बढा देना चाहिए।